



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 795]
No. 795]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 8, 2000/अग्रहायण 17, 1922
NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 8, 2000/AGRAHAYANA 17, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2000

सं. 46(आर ई-2000)/1997—2002

का. आ. 1106(अ).—निर्यात-आयात नीति, 1997-2002 के पैराग्राफ 1.3 और 4.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा-5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्यात और आयात नीति (31-3-2000 तक किए गए संशोधन शामिल) में निम्नलिखित संशोधन करती है:-

1. संशोधन के पश्चात्, निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 3.10 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“पूँजीगत माल” का अभिप्राय, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के विनिर्माण अथवा उत्पादन या सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक किसी संयंत्र, मशीनरी, उपकरण या सहायक सामान है; इसमें वे भी शामिल हैं जिनकी प्रतिस्थापन, आधुनिकीकरण, तकनीकी सन्नयन या विस्तार के लिए आवश्यकता होती है। पूँजीगत माल में पैकेजिंग मशीनरी और उपकरण, प्रारम्भिक लाइनिंग के लिए रिफ्रिगेटर्स, रेफ्रिजरेशन उपकरण, पावर जेनरेटिंग सेट, मशीन टूल, प्रारम्भिक चार्ज के लिए कैपेसिटर्स, परीक्षण, अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्ता एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपकरण एवं औजार भी शामिल हैं। पूँजीगत माल का इस्तेमाल विनिर्माण, खनन, कृषि, जलचर पालन, पशु पालन, पुष्पोत्पादन, वागवानी, मत्स्य पालन, मुर्गीपालन, रेशम उत्पादन, अंगूरोत्पादन के साथ-साथ सेवा क्षेत्र के लिए भी किया जा सकता है। इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/89/180/00037/एम 2000]

एन.एल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th December, 2000

No. 46(RE-2000)/1997—2002

S.O. 1106(E).— In exercise of powers conferred under section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 and 4.1 of the Export and Import Policy, 1997-2002, the Central Government hereby makes the following amendments in the Export and Import Policy, 1997-2002(incorporating amendments made upto 31.03.2000) namely –

1. After amendment, paragraph 3.10 of the Export Import Policy will read as under:-

“ Capital Goods” means any plant, machinery, equipment or accessories required for manufacture or production, either directly or indirectly, of goods or for rendering services, including those required for replacement, modernisation, technological upgradation or expansion. Capital goods also include packaging machinery and equipment, refractories for initial lining, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, catalysts for initial charge, equipment and instruments for testing, research and development, quality and pollution control. Capital goods may be for use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture and viticulture as well as for use in the services sector.

This issues in Public Interest.

[F. No. 01/89/180/00037/AM2000]

N.L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade and ex-officio Addl. Secy.